

《神农本草经》

主编 陈润东

大字诵读版



全国百佳图书出版单位
中国中医药出版社

中医师承学堂

《神农本草经》 大字诵读版

主编 陈润东

编委 陶有强 马家驹 孙 璐

中国中医药出版社

· 北京 ·

图书在版编目 (CIP) 数据

神农本草经: 大字诵读版 / 陈润东主编. —北京: 中国中医药出版社, 2014.9

ISBN 978 - 7 - 5132 - 1959 - 4

I. ①神… II. ①陈… III. ①《神农本草经》

IV. ①R281.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2014) 第 147055 号

中国中医药出版社出版

北京市朝阳区北三环东路 28 号易亨大厦 16 层

邮政编码 100013

传真 010 64405750

三河西华印务有限公司印刷

各地新华书店经销

*

开本 787 × 1092 1/16 印张 10 字数 108 千字

2014 年 9 月第 1 版 2014 年 9 月第 1 次印刷

书号 ISBN 978 - 7 - 5132 - 1959 - 4

*

定价 25.00 元

网址 www.cptcm.com

如有印装质量问题请与本社出版部调换

版权专有 侵权必究

社长热线 010 64405720

购书热线 010 64065415 010 64065413

微信服务号 zgzyycbs

书店网址 csln.net/qksd/

官方微博 <http://e.weibo.com/cptcm>

编写说明

《神农本草经》是中医四大经典著作之一，书中所载药物大多朴实有验，至今仍然习用。

《神农本草经》和《伤寒杂病论》一样，具有公认的临床指导价值，成为历代医家诵读的经典医书。

现存最早的本草专著当推《神农本草经》（简称《本经》），一般认为该书约成于西汉末年至东汉初年（公元前1世纪~公元1世纪），另一说是该书成书于东汉末年（公元2世纪）。

《神农本草经》全书载药365种，按药物功效的不同分为上、中、下三品。

上品120种，功能滋补强壮，延年益寿，无毒或毒性很弱，可以久服。

中品120种，功能治病补虚，兼而有之，有毒或无毒，当斟酌使用。

下品125种，功专祛寒热，破积聚，治病攻邪，多具毒性，不可久服。

《神农本草经》序录中还简要地论述了中药的基本理论，如四气五味、有毒无毒、配伍法度、辨证用药原则、服药方法及丸、散、膏、酒等多种剂型，并简要介绍了中药的产地、采集、加工、贮存、真伪鉴别……为中药学的全面发展奠定了理论基石。

《神农本草经》原著在唐初已失传，但它的内容仍然保留在历代本草著作之中。现存的各种版本都是经明清以来学者考订、辑佚、整理而成的，其中著名的有孙星衍、孙冯翼同辑本，顾观光辑本，等等。本书采用清代医家顾观光的《神农本草经》（《武陵山人遗书》第四册）辑本为底本点校，并参考孙星衍、孙冯翼同辑本进行对校。顾观光辑本中序录属正文第一卷，本书移至文前。

为方便读者诵读，本书对《神农本草经》原文采用“大字排版”。

对于初读《神农本草经》的读者，可以优先诵读大学《中药学》教材（见高学敏等主编的新世纪全国高等中医药院校规划教材《中药学》，中国中医药出版社 2002 年出版，下同）介绍过的、来自《神农本草经》的药物。本书特意附录了大学《中药学》教材对所涉及的《神农本草经》药物的阐释（采用“小字排版”），以便读者将经典古籍与现代教材相互参考、融会贯通。

本书编委会

2014 年 6 月

序 录

上药一百二十种，为君，主养命以应天，无毒，多服、久服不伤人。欲轻身益气、不老延年者，本上经。

中药一百二十种，为臣，主养性以应人，无毒有毒，斟酌其宜。欲遏病补虚羸者，本中经。

下药一百二十五种，为佐使，主治病以应地，多毒，不可久服。欲除寒热邪气、破积聚、愈疾者，本下经。

三品合三百六十五种，法三百六十五度。一度应一日，以成一岁。

药有药物一百二种作君药，有君臣佐使，以相宣摄合和，宜一君、二臣、三佐、五使，又可一君、三臣、九佐使也。

药有阴阳配合，子母兄弟，根茎花实，草石骨肉。有单行者，有相须者，有相使者，有相畏者，有相恶者，有相反者，有相杀者。凡此七情，合和视之，当用相须、相使者良，勿用相恶、相反者。若有毒宜制，可用相畏、相杀者，不尔，勿合用也。

药有酸、咸、甘、苦、辛五味，又有寒、热、温、凉四气及有毒无毒。阴干暴干，采造时月生熟，土地所出，真伪陈新，并各有法。

药性有宜丸者、宜散者、宜水煮者、宜酒渍者、宜膏煎者，亦有一物兼宜者，亦有不可入汤酒者，并随药性不得违越。

欲疗病，先察其源，先候病机。五脏未虚，六腑未竭，血脉未乱，精神未散，服药必活。若病已成，可得半愈。病势已过，命将难全。

若用毒药疗病，先起如黍粟，病去即止。若不去倍之；不去十之。取去为度。

疗寒以热药，疗热以寒药。饮食不消，以吐下药。鬼疰蛊毒，

以毒药。痈肿疮瘤，以疮药。风湿，以风湿药。各随其所宜。

病在胸膈以上者，先食后服药。病在心腹以下者，先服药而后食。病在四肢血脉者，宜空腹而在旦。病在骨髓者，宜饱满而在夜。

夫大病之主，有中风；伤寒；寒热；温疟；中恶；霍乱；大腹水肿；肠澼；下痢；大小便不通；贲豚；上气；咳逆；呕吐；黄疸；消渴；留饮；癖食；坚积癥瘕惊邪；癫痫；鬼疰；喉痹；齿痛；耳聋；目盲；金疮；痿折；痈肿；恶疮；痔；痿；瘰疬；男子五劳七伤、虚乏羸瘦；女子带下、崩中、血闭、阴蚀；虫蛇蛊毒所伤，此大略宗兆。其间变动枝叶，各宜依端绪以取之。

目 录

上 品

| | |
|------------|---|
| 丹砂 | 2 |
| 云母 | 2 |
| 玉泉 | 2 |
| 石钟乳 | 3 |
| 矾石 | 3 |
| 消石 | 3 |
| 朴消 | 3 |
| 滑石 | 4 |
| 空青 | 4 |
| 曾青 | 5 |
| 禹余粮 | 5 |
| 太一余粮 | 5 |
| 白石英 | 5 |
| 紫石英 | 6 |
| 五色石脂 | 6 |
| 菖蒲 | 7 |
| 菊花 | 7 |
| 人参 | 7 |
| 天门冬 | 8 |
| 甘草 | 8 |
| 干地黄 | 9 |

| | |
|-----|----|
| 术 | 9 |
| 菟丝子 | 10 |
| 牛膝 | 10 |
| 茺蔚子 | 11 |
| 女萎 | 11 |
| 防葵 | 12 |
| 麦门冬 | 12 |
| 独活 | 12 |
| 车前子 | 13 |
| 木香 | 13 |
| 薯蕷 | 14 |
| 薏苡仁 | 14 |
| 泽泻 | 15 |
| 远志 | 15 |
| 龙胆 | 15 |
| 细辛 | 16 |
| 石斛 | 16 |
| 巴戟天 | 17 |
| 白英 | 17 |
| 白蒿 | 17 |
| 赤箭 | 18 |
| 菴蒿子 | 18 |
| 菥蓂子 | 18 |
| 蓍实 | 18 |
| 赤芝 | 19 |
| 黑芝 | 19 |
| 青芝 | 19 |

| | |
|-----|----|
| 白芝 | 19 |
| 黄芝 | 20 |
| 紫芝 | 20 |
| 卷柏 | 20 |
| 蓝实 | 20 |
| 藜蘼 | 21 |
| 黄连 | 21 |
| 络石 | 21 |
| 蒺藜子 | 22 |
| 黄芪 | 22 |
| 肉苁蓉 | 23 |
| 防风 | 23 |
| 蒲黄 | 24 |
| 香蒲 | 24 |
| 续断 | 24 |
| 漏芦 | 25 |
| 天名精 | 25 |
| 决明子 | 25 |
| 丹参 | 26 |
| 飞廉 | 26 |
| 五味子 | 27 |
| 旋花 | 27 |
| 兰草 | 27 |
| 蛇床子 | 28 |
| 地肤子 | 28 |
| 景天 | 29 |
| 茵陈蒿 | 29 |

| | |
|------|----|
| 杜若 | 29 |
| 沙参 | 29 |
| 徐长卿 | 30 |
| 石龙刳 | 30 |
| 云实 | 30 |
| 王不留行 | 30 |
| 牡桂 | 31 |
| 菌桂 | 32 |
| 松脂 | 32 |
| 槐实 | 32 |
| 枸杞 | 32 |
| 橘柚 | 33 |
| 柏实 | 33 |
| 茯苓 | 34 |
| 榆皮 | 34 |
| 酸枣仁 | 34 |
| 干漆 | 35 |
| 蔓荆实 | 35 |
| 辛夷 | 35 |
| 杜仲 | 36 |
| 桑上寄生 | 36 |
| 女贞实 | 37 |
| 蕤核 | 37 |
| 藕实茎 | 37 |
| 大枣 | 38 |
| 葡萄 | 38 |
| 蓬蘽 | 38 |

| | |
|-----------|----|
| 鸡头实 | 39 |
| 胡麻 | 39 |
| 麻蕒 | 39 |
| 麻子 | 40 |
| 冬葵子 | 40 |
| 菟实 | 40 |
| 白瓜子 | 41 |
| 苦菜 | 41 |
| 龙骨 | 41 |
| 麝香 | 42 |
| 熊脂 | 42 |
| 白胶 | 42 |
| 阿胶 | 42 |
| 石蜜 | 43 |
| 蜂子 | 43 |
| 蜜蜡 | 44 |
| 牡蛎 | 44 |
| 龟甲 | 44 |
| 桑螵蛸 | 45 |

中 品

| | |
|-----------|----|
| 雄黄 | 48 |
| 雌黄 | 48 |
| 石硫黄 | 48 |
| 水银 | 49 |
| 石膏 | 49 |
| 磁石 | 49 |
| 凝水石 | 50 |

| | |
|-----|----|
| 阳起石 | 50 |
| 理石 | 51 |
| 长石 | 51 |
| 石胆 | 51 |
| 白青 | 52 |
| 扁青 | 52 |
| 肤青 | 52 |
| 干姜 | 52 |
| 藁耳实 | 53 |
| 葛根 | 53 |
| 栝楼根 | 54 |
| 苦参 | 54 |
| 茈胡 | 55 |
| 芎藭 | 55 |
| 当归 | 55 |
| 麻黄 | 56 |
| 通草 | 56 |
| 芍药 | 57 |
| 蠹实 | 57 |
| 瞿麦 | 58 |
| 元参 | 58 |
| 秦艽 | 59 |
| 百合 | 59 |
| 知母 | 59 |
| 贝母 | 60 |
| 白芷 | 60 |
| 淫羊藿 | 61 |

| | |
|-----|----|
| 黄芩 | 61 |
| 石龙芮 | 62 |
| 茅根 | 62 |
| 紫菀 | 62 |
| 紫草 | 63 |
| 茜根 | 63 |
| 败酱 | 63 |
| 白鲜 | 64 |
| 酸浆 | 64 |
| 紫参 | 65 |
| 藁本 | 65 |
| 狗脊 | 65 |
| 萆薢 | 66 |
| 白兔藿 | 66 |
| 营实 | 66 |
| 白薇 | 66 |
| 薇衔 | 67 |
| 翘根 | 67 |
| 水萍 | 67 |
| 王瓜 | 68 |
| 地榆 | 68 |
| 海藻 | 68 |
| 泽兰 | 69 |
| 防己 | 69 |
| 牡丹 | 70 |
| 款冬花 | 70 |
| 石韦 | 71 |

| | |
|------|----|
| 马先蒿 | 71 |
| 积雪草 | 71 |
| 女菀 | 71 |
| 王孙 | 72 |
| 蜀羊泉 | 72 |
| 爵床 | 72 |
| 梔子 | 72 |
| 竹叶 | 73 |
| 檠木 | 73 |
| 吴茱萸 | 73 |
| 桑根白皮 | 74 |
| 芫荑 | 74 |
| 枳实 | 75 |
| 厚朴 | 75 |
| 秦皮 | 76 |
| 秦椒 | 76 |
| 山茱萸 | 77 |
| 紫葳 | 77 |
| 猪苓 | 78 |
| 白棘 | 78 |
| 龙眼 | 78 |
| 木兰 | 79 |
| 五加皮 | 79 |
| 卫矛 | 79 |
| 合欢 | 80 |
| 彼子 | 80 |
| 梅实 | 80 |

| | |
|------------|----|
| 桃核仁 | 81 |
| 杏核仁 | 81 |
| 蓼实 | 82 |
| 葱实 | 82 |
| 薤 | 82 |
| 假苏 | 83 |
| 水苏 | 83 |
| 水芹 | 83 |
| 发鬣 | 84 |
| 白马茎 | 84 |
| 鹿茸 | 84 |
| 牛角腮 | 85 |
| 羖羊角 | 85 |
| 牡狗阴茎 | 85 |
| 羚羊角 | 85 |
| 犀角 | 86 |
| 牛黄 | 86 |
| 豚卵 | 87 |
| 麋脂 | 87 |
| 丹雄鸡 | 87 |
| 雁肪 | 88 |
| 鳖甲 | 88 |
| 鲛鱼甲 | 88 |
| 鱻鱼 | 88 |
| 鲤鱼胆 | 89 |
| 乌贼鱼骨 | 89 |
| 海蛤 | 89 |

| | |
|-----------|----|
| 文蛤 | 90 |
| 石龙子 | 90 |
| 露蜂房 | 90 |
| 蚱蝉 | 90 |
| 白僵蚕 | 90 |

下 品

| | |
|-----------|----|
| 孔公孽 | 94 |
| 殷孽 | 94 |
| 铁精 | 94 |
| 铁落 | 94 |
| 铁 | 94 |
| 铅丹 | 95 |
| 粉锡 | 95 |
| 锡镜鼻 | 95 |
| 代赭石 | 95 |
| 戎盐 | 96 |
| 大盐 | 96 |
| 卤碱 | 96 |
| 青琅玕 | 96 |
| 晷石 | 96 |
| 石灰 | 97 |
| 白垩 | 97 |
| 冬灰 | 97 |
| 附子 | 97 |
| 乌头 | 98 |
| 天雄 | 98 |
| 半夏 | 98 |